

No. of Printed Pages : 6

**MEC-004**

**M. A. (ECONOMICS) (MEC)**

**Term-End Examination**

**December, 2022**

**MEC-004 : ECONOMICS OF GROWTH AND  
DEVELOPMENT**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Marks : 100*

---

*Note : Answer the questions from both Sections as  
directed.*

---

---

**Section—A**

**Note :** Answer any *two* questions from this Section  
in about **500** words each. 2×20=40

1. Bring out the salient features of endogenous growth models. Why is it an improvement over exogenous growth models ?
2. What is meant by export-led growth ? What is its significance for developing economies such as India ?

**P. T. O.**

3. Explain the effects of change in saving rate and depreciation rate in the Solow model. Are these effects permanent ?
4. Critically examine Joan Robinson's model of economic growth and capital accumulation.

### Section—B

**Note :** Answer any *five* questions from this Section  
in about **250** words each. 5×12=60

5. Critically examine the Harris-Todaro model of rural-urban migration.
6. Distinguish between economic growth and economic welfare. Briefly describe how economic welfare is measured.
7. Critically examine Lewis' two-sector model of development in a labour-surplus economy.
8. Distinguish between indicative and imperative planning. Describe their merits and demerits.
9. Critically examine the 'Big Push' theory of economic development.

10. Describe the investment criteria followed in a developing economy.
11. Explain why developing economies may have deteriorating terms of trade over time.
12. Write short notes on the following :
  - (a) Population policy
  - (b) Types of technical change

**MEC-004**

एम. ए. ( अर्थशास्त्र ) ( एम. ई. सी. )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम. ई. सी.-004 : संवृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

---

नोट : दोनों भागों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

---

**भाग-क**

नोट : इस भाग से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक)

लगभग **500** शब्दों में दीजिए।

2×20=40

1. अंतर्जात संवृद्धि मॉडलों की मुख्य विशेषताओं को उजागर कीजिए। बताइए कि बहिर्जात संवृद्धि मॉडलों की तुलना में इसे बेहतर क्यों माना जाता है ?

2. निर्यात-उन्मुख वृद्धि से क्या तात्पर्य है ? भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए इसका क्या महत्व है ?
3. सोलो मॉडल में बचत दर और मूल्यहास दर में परिवर्तन के प्रभावों का वर्णन कीजिए। क्या ये प्रभाव स्थायी हैं ?
4. जोआन रॉबिन्सन के आर्थिक संवृद्धि एवं पूँजी संचयन मॉडल की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।

### भाग-ख

**नोट :** इस भाग से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **250** शब्दों में दीजिए।  $5 \times 12 = 60$

5. हैरिस-टोडारो द्वारा प्रतिपादित ग्रामीण-शहरी प्रवसन मॉडल की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।
6. आर्थिक संवृद्धि एवं आर्थिक कल्याण में अंतर स्पष्ट कीजिए। संक्षेप में बताइए कि आर्थिक कल्याण कैसे मापा जाता है।

7. श्रम-अधिशेष अर्थव्यवस्था में लेविस द्वारा प्रस्तुत, विकास के द्वि-सेक्टर मॉडल की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।
8. सांकेतिक एवं आदेशक नियोजन में अंतर स्पष्ट कीजिए। इसके लाभ एवं दोष लिखिए।
9. आर्थिक विकास के 'बिग पुश' सिद्धान्त की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।
10. विकासशील अर्थव्यवस्था में अनुसरणीय निवेश संबंधी मानदंडों का वर्णन कीजिए।
11. विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में समय के साथ व्यापार की शर्तों में अपकर्ष के संभावित कारणों का वर्णन कीजिए।
12. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणियाँ लिखिए :
  - (क) समष्टि नीति
  - (ख) तकनीकी परिवर्तन के प्रकार